



बाढ़ के 38 दिन बाद भी तबाही के उद्गम स्थल तक नहीं पहुंच सकी नेपाल सरकार, चीन से ले रही सैटेलाइट डेटा

काठमांडू

नेपाल में रसुवा की भोटेकोसी नदी से होते हुए त्रिशुली और नारायणी नदियों में अचानक आई भीषण बाढ़ को 38 दिन हो चुके हैं। लेकिन इस आपदा की शुरुआत जिस स्थान से हुई, वहां 38 दिन बाद भी नेपाल सरकार की टीम नहीं पहुंच सकी है। वहीं, चीन की टीम अगले ही दिन उस स्थान पर पहुंच गई थी।

आपदा के उद्गम स्थल तक नेपाली टीम के नहीं पहुंच पाने के सवाल पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यकारी प्रमुख डा. धर्मराज उप्रेती ने कहा, हम खुद उद्गम स्थल तक नहीं पहुंचे हैं। वहां जाने के लिए हेलीकाप्टर की जरूरत है।' उप्रेती ने पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं

होने का संकेत दिया। हालांकि, उनका कहना है कि जरूरी सूचनाएं चीन की ओर से लगातार उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने कहा, चीन वहां पहुंच चुका है। वहां की स्थिति और सैटेलाइट से जुड़ी जानकारी चीन हमें लगातार उपलब्ध करा रहा है। हम हाई-रिजोल्यूशन डेटा मंगाकर उसका अध्ययन कर रहे हैं। तकनीक ने काफी मदद की है। जरूरी नहीं कि हमें खुद वहां जाना ही पड़े।

इस तरह नेपाली भूभाग में हुई आपदा के महत्वपूर्ण डेटा के लिए नेपाल को चीन पर निर्भर रहना पड़ रहा है। उप्रेती ने बताया कि जलवायु और मौसम संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान को लेकर नेपाल और चीन के बीच हाल ही में

एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर हुआ है।

26 अगस्त को भोटेकोसी नदी के रास्ते त्रिशुली और नारायणी नदियों में आई बाढ़ ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, तनहुँ, चितवन समेत कई जिलों में भारी जन-धन की तबाही मचाई थी।

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बाढ़ में अब तक 1,453 लोगों के शव (मानव अंगों सहित) बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 5,285 लोग अभी भी लापता हैं। लापता लोगों की तलाश जारी है।

बरामद शवों में से 1,334 शवों को जमीन के नीचे सुरक्षित रूप से संरक्षित किया गया है,

जबकि 112 शव परिवजनों को सौंपे जा चुके हैं। मृतकों में से 1,330 लोगों का डीएनए परीक्षण किया गया है। वहीं, लापता नागरिकों के 2,061 परिवजनों के डीएनए नमूने भी लिए गए हैं। नेपाल सरकार ने भोटेकोसी बाढ़ से हुए नुकसान और पुनर्निर्माण की जरूरत का आकलन करने के लिए त्वरित क्षति एवं आवश्यकता आकलन टीम का गठन किया था। लेकिन इस टीम ने भी आपदा के उद्गम स्थल तक पहुंच बिना अपनी रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंप दी।

टीम के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, बाढ़ से कुल 4 खरब 8 अरब 28 करोड़ 91 लाख नेपाली रुपये की आर्थिक क्षति और नुकसान हुआ है।

न्यूज़ ब्रीफ

उत्तरी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों का आपरेशन, सात आतंकवादी मारे गए



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर वजीरिस्तान जिले में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए सात आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। यह आपरेशन इडक इलाके में चलाया गया। कार्रवाई के दौरान आतंकवादियों के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। पाकिस्तान की उर्दू टेलीविजन चैनल दुनिया न्यूज ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि सुरक्षा बलों को इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी और गतिविधियों की जानकारी मिली थी। इसके बाद बलों ने उनका पीछा करते हुए लक्षित अभियान चलाया। सूत्रों ने दावा किया कि अभियान के दौरान आतंकवादियों के कई ठिकाने नष्ट कर दिए गए। बताया गया है कि यह कार्रवाई पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी अभियान अज्म-ए-इस्तेहकाम' के तहत की गई। पाकिस्तान के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य आतंकवादी नेटवर्क और उनके ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई करना है। इससे पहले भी उत्तर वजीरिस्तान में ऐसे खुफिया-आधारित अभियानों में आतंकवादियों के मारे जाने और हथियार एवं विस्फोटक बरामद होने की खबरें सामने आई हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इडक में अभियान को सफल बताते हुए सुरक्षा बलों की सराहना की। उन्होंने जवानों की पेशेवर क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई से आतंकवादी गतिविधियों और उनकी कथित साजिशों को रोकने में मदद मिली है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

ताइज में भीषण झड़प व मदीना में बिजली के दंड़ पर हमला, सऊदी गठबंधन ने हथियों को ठहराया जिम्मेदार



सना/रियाद। यमन में हथी विद्रोहियों के खिलाफ अभियान चला रहे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मदीना में एक बिजली वितरण केंद्र पर झोन हमले के लिए हथियों को जिम्मेदार ठहराया है। हथियों ने इस आरंभ को खारिज करते हुए इसे झूठ' बताया है। इस बीच, यमन के ताइज प्रांत में सऊदी समर्थित सरकारी बलों और हथी लड़ाकों के बीच भीषण संघर्ष की खबर है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया अलजजीरा के अनुसार, सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने बताया कि मंगलवार को मदीना स्थित बिजली वितरण स्टेशन को निशाना बनाया गया। यह स्टेशन मस्जिद-ए-नबवी को बिजली की आपूर्ति करता है। हमले में एक ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुआ, हालांकि बिजली नेटवर्क की आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई। झोन के मलबे की जांच से हमले की योजना और उसे अंजाम देने में हथियों की भूमिका की पुष्टि हुई है।

नेपाल में 10 हजार सरकारी कर्मचारियों की छंटनी के लिए संसद में विधेयक

काठमांडू। नेपाल में लंबे समय से प्रतीक्षित संघीय निजामती सेवा विधेयक' संसद में दर्ज कर दिया गया है। इस विधेयक के लागू होने पर 10 हजार से अधिक सरकारी कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने की संभावना है। नेपाल में सरकारी कर्मचारियों की अनिवार्य सेवानिवृत्ति की उम्र 58 वर्ष है। संघीय

मामलों तथा सामान्य प्रशासन मंत्री प्रतिभा रावल ने विधेयक को संसद सचिवालय में दर्ज कराया। विधेयक दर्ज कराने के बाद उन्होंने कहा कि इससे निजामती सेवा को अधिक सक्षम, दक्ष, जवाबदेह और परिणाममुखी बनाने के साथ सार्वजनिक प्रशासन में सुधार तथा सुशासन की नींव मजबूत करने में मदद मिलेगी। विधेयक में सरकारी कर्मचारियों की अनिवार्य सेवानिवृत्ति की उम्र 60 वर्ष निर्धारित करने का प्रस्ताव है। हालांकि, कानून लागू होने के समय जिन कर्मचारियों की उम्र 55 वर्ष पूरी हो चुकी होगी या जिनकी सेवा अवधि 30 वर्ष पूरी हो चुकी होगी, उन्हें अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त करने का प्रावधान किया गया है। विधेयक के दफा 57 में कहा गया है कि सरकारी कर्मचारी 60 वर्ष की उम्र पूरी होने के बाद अनिवार्य सेवानिवृत्त होगा। लेकिन कानून लागू होते समय 55 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके या 30 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को भी अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जाएगी। राजपत्रांकित विशिष्ट श्रेणी के कर्मचारियों यानी सचिव और मुख्य सचिव के मामले में पदावधि और उम्र में से जो पहले पूरा होगा, उसी आधार पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति का प्रावधान किया गया है।

चीन का नेपाल को प्रस्ताव : कोरोला नाके को एक साल के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा नाका बनाने की पहल

काठमांडू

चीन ने तिब्बत के झोंगबा काउंटी से जुड़े नेपाल के मुस्तांग जिले के लोमान्थांग स्थित कोरोला नाके को अंतरराष्ट्रीय सीमा नाका बनाने का प्रस्ताव दिया है। चीन ने इस सप्ताह विदेश मंत्रालय के माध्यम से नेपाल के भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मंत्रालय को पत्र भेजकर यह प्रस्ताव रखा है। कोरोला नाका समुद्र तल से करीब 4,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

गत 26 अगस्त को भोटेकोशी में आई विनाशकारी बाढ़ में रसुवागढ़ी-केरुंग सीमा क्षेत्र के सभी बुनियादी ढांचे बह जाने के बाद कोरोला नाके के रास्ते सामानों की आवाजाही हो रही है। हालांकि, पिछले सप्ताह आई बाढ़ के कारण म्याग्दी में सड़क और पुल क्षतिग्रस्त होने से नेपाल की ओर से कोरोला नाके तक आवाजाही में बाधा आई है।

नेपाल इस अवरोध को हटाने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच चीन ने एक वर्ष के लिए कोरोला को अंतरराष्ट्रीय सीमा नाका घोषित करने का प्रस्ताव दिया है। चीन ने नेपाल की जरूरत के अनुसार सीमा क्षेत्र में आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण में सहयोग की पेशकश भी की है।

नेपाल की ओर फिलहाल सीमा पर कस्टम समेत व्यवस्थित बुनियादी ढांचा, बिजली और पानी की पर्याप्त सुविधा नहीं है। वहीं, चीन अपनी ओर से आब्रजन, कस्टम और अन्य सीमा संबंधी बुनियादी ढांचे तैयार कर चुका है।

ल्हासा स्थित तिब्बत के लिए नेपाल के महावाणिज्यदूत लक्ष्मीप्रसाद निरौला ने बताया कि चीन की ओर से कोरोला नाके को अंतरराष्ट्रीय सीमा नाके के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया है।

नेपाल और चीन के बीच वर्तमान में तीन अंतरराष्ट्रीय सीमा नाके संचालित हैं, जबकि करीब 14 पारंपरिक सीमा नाके हैं। चीन ने तत्काल एक वर्ष के लिए कोरोला को अंतरराष्ट्रीय नाके का दर्जा देने का प्रस्ताव रखा है। नेपाली अधिकारियों ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया है।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, नेपाल पहले से ही कोरोला नाके को व्यवस्थित कर अंतरराष्ट्रीय सीमा नाके के रूप में विकसित करने की बात करता रहा है। अब चीन की ओर से प्रस्ताव आने के बाद नेपाल इसे स्वीकार करने की दिशा में आगे बढ़



रहा है।

फिलहाल नेपाल-चीन के बीच ये तीन अंतरराष्ट्रीय सीमा नाके संचालित हैं : सिंधुपालचोक का तातोपानी-झांग्मु नाका, रसुवा का रसुवागढ़ी-केरुंग नाका तथा हुम्ला का हिल्सा-पुरांग नाका। इसके अलावा करीब 14 पारंपरिक सीमा नाके हैं और कोरोला भी फिलहाल पारंपरिक नाके के रूप में ही दर्ज है।

बीते साल 2025 में रसुवागढ़ी क्षेत्र में आई बाढ़ के बाद कोरोला नाके के रास्ते सामानों की आवाजाही शुरू हुई थी। रसुवागढ़ी-केरुंग को जोड़ने वाला पक्का सीमा पुल बह जाने के बाद चीन ने वहां बेली ब्रिज लगाया था। इसी पुल से यात्रियों और मालवाहक वाहनों की आवाजाही हो रही थी।

लेकिन इस वर्ष 26 अगस्त की विनाशकारी बाढ़ में नेपाल और चीन की सीमा पर बने पुलों सहित सभी संरचनाएं बह गई और पूरा क्षेत्र बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चीन ने अपनी सीमा तक सड़क का टुक खोल

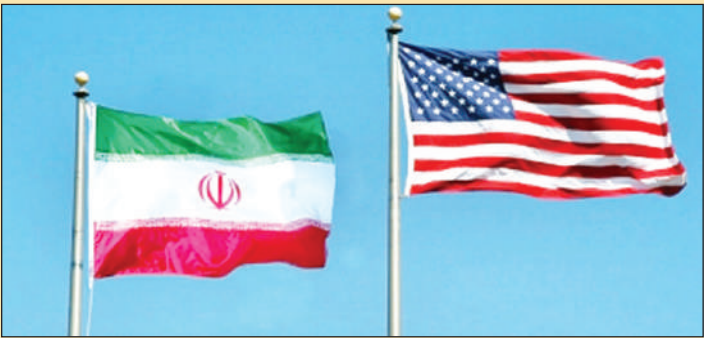
दिया है, लेकिन वहां अभी आवश्यक संरचनाएं मौजूद नहीं हैं। नेपाल की ओर सीमा तक सड़क खोलना तत्काल संभव नहीं माना जा रहा है।

कोरोला नाका अभी पारंपरिक सीमा नाके के रूप में इस्तेमाल हो रहा है। यहां से सामानों का आवागमन तो हो रहा है, लेकिन मुस्तांग और तिब्बत के झोंगबा काउंटी के स्थानीय लोगों को ही सीमा से 30 किलोमीटर के दायरे में व्यापार और आवागमन की अनुमति है।

अगर कोरोला को अंतरराष्ट्रीय सीमा नाके का दर्जा मिल जाता है, तो अन्य क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों और मालवाहक वाहनों को भी इस मार्ग से आवाजाही की अनुमति मिल सकेगी। इससे नेपाल-चीन व्यापार के लिए इस नाके की भूमिका और बढ़ सकती है।

नेपाली अधिकारियों के मुताबिक, चीन अगले हफ्ते से तातोपानी नाका फिर से संचालित करने को लेकर भी सकारात्मक है। नेपाली महावाणिज्यदूत लक्ष्मी प्रसाद निरौला ने कहा कि इस संबंध में कूटनीतिक प्रयास जारी हैं और उन्हें नाका खुलने की उम्मीद है।

ईरान पर अमेरिकी शिकंजा और कसा, आटो व रेलवे कंपनियों पर नए प्रतिबंध



वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए उसके प्रमुख वाहन निर्माताओं और रेलवे कंपनियों के साथ कुछ विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के मुताबिक, इस कार्रवाई का उद्देश्य ईरान की युद्ध संबंधी गतिविधियों, मिसाइल निर्माण और इस्लामिक रिपब्लिकन गार्ड कोर्पास (आईआरजीसी) को मिलने वाले वित्तीय संसाधनों पर रोक लगाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने यह कदम आपरेशन इकोनामिक आउटकास्ट' के तहत उठाया है। अगस्त में घोषित इस अभियान के जरिए वाशिंगटन ईरान की आय के स्रोतों को सीमित कर उसे युद्ध समाप्त करने के लिए बातवीत पर मजबूर करना चाहता है। प्रतिबंधों के दायरे में ईरान की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियां ईरान खोद्रो कंपनी (आईकेसीओ) और सैपा (एसएआईपीए) शामिल हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार, इन दोनों कंपनियों की ईरान के घरेलू वाहन बाजार में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। इसके अलावा, सरकारी रेलवे कंपनी इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान रेलवे, राजा पैसंजर ट्रेन्स और निजी मालवाहक कंपनी रेलवे ट्रांसपोर्टेशन कंपनी को भी प्रतिबंधित किया गया है। इन कंपनियों के जरिए यात्री और माल परिवहन किया जाता है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय का कहना है कि हेमूज्ज जलडमरूमध्य में ईरानी तेल की आवाजाही पर अमेरिकी नाकेबंदी के कारण ईरान के व्यापार और परिवहन पर दबाव बढ़ा है।

पीएम मोदी के प्रयासों पर पुतिन को भरोसा, बोले- यूक्रेन संकट के समाधान के लिए उनके पास अच्छे विचार

इस्त्रा शहर, (मास्को)

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल की सराहना की है। पुतिन ने कहा कि मोदी लगातार संघर्ष को समाप्त करने की जरूरत पर जोर देते हैं और उनके पास ऐसा समाधान तलाशने के लिए बहुत अच्छे विचार' हैं, जिसे दोनों पक्ष स्वीकार कर सकें।

पुतिन ने यह टिप्पणी वल्दाई डिस्कशन क्लब की 23वां वार्षिक बैठक के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री रूस के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के बावजूद यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने का मुद्दा लगातार उभरते रहे हैं। पुतिन ने मोदी की शांतिपूर्ण समाधान की इच्छा के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया।

पुतिन के अनुसार, मोदी की रुचि संघर्ष को जल्द समाप्त करने और सभी पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान तलाशने में है। उन्होंने भारत की स्थिति को तटस्थ बताते हुए कहा कि नई दिल्ली

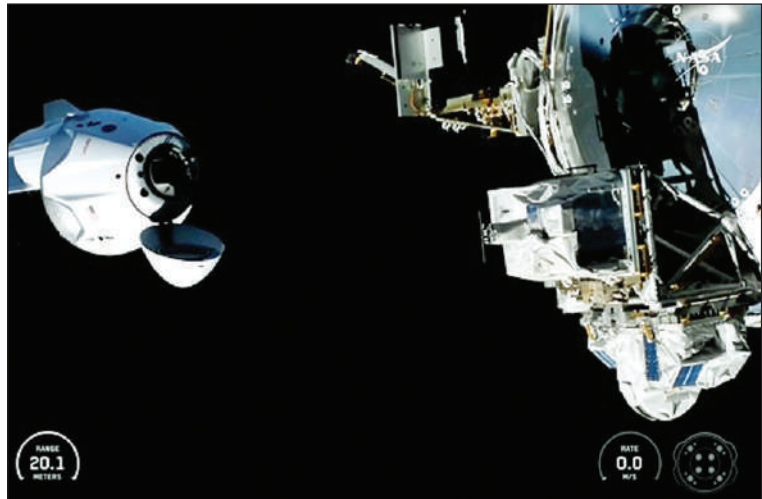


नासा के स्पेसएक्स क्रू- 13 ने रचा इतिहास, महज 7: 55 घंटे में आईएसएस पहुंचा ड्रैगन

वाशिंगटन

नासा का स्पेसएक्स क्रू-13 मिशन रिकार्ड समय में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गया। स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने लान्च के महज 7 घंटे 55 मिनट बाद आईएसएस के हार्मनी माइयूल के फारवर्ड पोर्ट पर सफलतापूर्वक डाकिंग की। नासा के अनुसार, यह आईएसएस के इतिहास में किसी अमेरिकी अंतरिक्ष यान का सबसे तेज लान्च-टू-डाकिंग समय है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, क्रू- 13 मिशन को लेकर स्पेसएक्स का फाल्कन-9 राकेट फ्लोरिडा के केप कैनावेलर स्पेस फोर्स स्टेशन स्थित स्पेस लान्च कॉम्प्लेक्स-40 से रवाना हुआ। ड्रैगन अंतरिक्ष यान में नासा की अंतरिक्ष यात्री जैसिका वाटफ़िंस और ल्यूक डेलानी, कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) के अंतरिक्ष यात्री जोशुआ कूट्रिंक तथा रूस की रॉस्कोस्मोस के कास्मोनाट सर्गेई टेटेरियाटोविकोव सवार थे। लान्च के बाद फाल्कन-9 का पहला चरण दूसरे चरण से अलग हुआ और सफलतापूर्वक केप कैनावेलर स्थित स्पेसएक्स के लैंडिंग जोन-40 में वापस उतरा।



इसके बाद ड्रैगन अंतरिक्ष यान दूसरे चरण से अलग होकर अपनी कक्षा में पहुंचा और आईएसएस की ओर बढ़ा। आईएसएस के हार्मनी माइयूल के फारवर्ड पोर्ट से डाकिंग की। नासा ने बताया कि लान्च से डाकिंग तक कुल समय 7 घंटे 55 मिनट रहा, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाला किसी अमेरिकी अंतरिक्ष यान का अब तक का सबसे तेज सफर है। डाकिंग के बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने आवश्यक लीक चेक और प्रेशराइजेशन प्रक्रियाएं पूरी कीं। इसके बाद ड्रैगन का हैच खोला गया और चारों अंतरिक्ष यात्री

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर पहुंचे।

क्रू-13 अब आईएसएस पर मौजूद अभियान 75 दल में शामिल हो गया है। इस दल में नासा के जैसिका मौर, जैक हेथवे और अरिल मैनन, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की सोफी एडेनोट तथा रॉस्कोस्मोस के प्योत्र डुब्रोव, अन्ना किकिना और आंद्रेई फेडुयाएव शामिल हैं। नासा के अनुसार, क्रू- 13 मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री माइक्रोग्रेविटी में वैज्ञानिक अनुसंधान, मानव स्वास्थ्य और पौधों की वृद्धि से जुड़े प्रयोगों के साथ कई तकनीकी परीक्षण करेंगे।

अंतरिक्ष यात्री माइक्रोग्रेविटी में वैज्ञानिक अनुसंधान, मानव स्वास्थ्य और पौधों की वृद्धि से जुड़े प्रयोगों के साथ कई तकनीकी परीक्षण करेंगे।

संघर्ष के अंत में वास्तविक रुचि रखती है।

अपने संबोधन में पुतिन ने मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में हो रहे व्यापक बदलावों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि दुनिया राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक, ऊर्जा, जलवायु, चिकित्सा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित कई क्षेत्रों में बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है। उनके मुताबिक, इन बदलावों के साथ नए अवसरों के साथ-साथ गंभीर जोखिम भी पैदा हो रहे हैं।

रूसी राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को दुनिया की मौजूदा वास्तविकताओं और विभिन्न क्षेत्रों के बढ़ते प्रभाव को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करना चाहिए।

पुतिन ने बहुभूवीय विश्व व्यवस्था के उभरने का भी उल्लेख किया और कहा कि भविष्य की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एशिया, अफ्रीका, लैटिन

अमेरिका और मध्य पूर्व की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस बदलाव की प्रक्रिया लंबी और जटिल होगी तथा इसमें कई अनिश्चितताएं बनी रहेंगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव पर उन्होंने कहा कि दुनिया को इसके तकनीकी और आर्थिक लाभों के साथ-साथ इसके सामाजिक और मानवीय प्रभावों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। उन्होंने डिजिटल संप्रभुता और नई तकनीकों के जिम्मेदार इस्तेमाल को महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। यूक्रेन संघर्ष पर बोलते हुए पुतिन ने रूस के रुख को दोहराया और संघर्ष के लिए पश्चिमी देशों तथा नाटो की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। ये दावे रूस के आधिकारिक दृष्टिकोण का हिस्सा हैं और संघर्ष के कारणों को लेकर यूक्रेन तथा पश्चिमी देशों का दृष्टिकोण अलग है। पुतिन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए देशों को एक-दूसरे के हितों और सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखते हुए समझौते की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

जानिये पंजाबी दुल्हनें क्यूँ पहनती हैं चूड़ा

अगर आप किसी पंजाबी फ्रेंड की शादी में गई होंगी, तो आपने दुल्हन को चूड़ा पहने हुए जरूर देखा होगा। वैसे तो दुल्हनें ढेर सारी ज्वेलरी पहनती हैं मगर उनमें से चूड़े का महत्व सबसे ज्यादा होता है। आज कल तो चूड़ा पहनने का रिवाज ना सिर्फ पंजाबियों में ही बल्कि भारत के अलग अलग कोनों में भी होने लगा है।



पंजाबियों में शादी के दिन होने

वाली दुल्हन के घर पर चूड़ा और कलीरा नामक सेरेमनी भी होती है। इन लाल रंग की चूड़ियों का आखिर इतना महत्व क्यूँ है और इसे क्यों पहना जाता है, आज हम इसी के बारे में खुलासा करेंगे।

क्या है चूड़े से जुड़ हुए रिवाज
चूड़ा सेरेमनी शादी की सुबह दुल्हन के घर पर ही होती है। दुल्हन के मामा, उसके लिये चूड़ा ले कर आते हैं, जिसमें लाल और सफेद रंगों की 21 चूड़ियां होती हैं। दुल्हन इस चूड़े को तब तक नहीं दे पाती है जब तक की वह पूरी तरह से तैयार ना हो जाए और मंडप पर दुल्हे के साथ ना बैठ जाए।

साल भर तक पहनना होता है चूड़ा

पहनना होता है। हालांकि आज कल दुल्हने ज्यादा से ज्यादा 40 दिनों तक ही इसे पहनती हैं।

चूड़े का महत्व

चूड़ा, शादी शुदा होने का प्रतीक है। साथ ही यह प्रजनन और समृद्धि का संकेत भी होता है। यह पति को भलाई के लिए भी पहना जाता है।

चूड़े की रस्म

दुल्हन को चूड़ा शादी के मंडप में ही उसकी मामा जी ही देते हैं। उस दौरान दुल्हन की आंखें उसकी मां बंद कर देती हैं।

जिससे वह चूड़े को ना देख पाएं नहीं तो खुद उसी की नजर उस चूड़े पर लग जाएगी। चूड़े को शादी की एक रात पहले दूध में भिगो कर रखा जाता है।

चूड़ा उतारने की रस्म

पहले के जमाने में जब चूड़ा उतारना होता था तब घर पर छोटा सा आयोजन किया जाता था। उसमें दुल्हन को शगुन और मिठाई दी जाती थी और फिर चूड़ा उतार कर उसकी जगह पर कांच की चूड़ियां पहना दी जाती थीं। चूड़े को किसी नदी के पास उतारा जाता था और छोटी सी पूजा के बाद नदी में ही उसे बहा दिया जाता था।

कलीराकी रस्म

हर पंजाबी दुल्हन अपनी चूड़ियों में कलीरा बांधती है जो उसकी प्रिय सहेलियों ने बांधा होगा। कलीरा की सेरेमनी ठीक चूड़ा सेरेमनी के बाद होती है।

जब सिर पर गिरे कलीरा

एक बार जब कलेरी दुल्हन की चूड़ियों के साथ बांध दी जाती है, तब उसे अपने हाथों को अपनी सिंगल सहेलियों के सिर पर झटकना होता है। फिर कलीरा जिसके सिर पर भी गिरती है, शादी का नेक्सट नंबर उसी का होता है।

अपने घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिये अपनाएं ये उपाय



घर, जिससे हम ना चाह कर भी कुछ नहीं छुपा सकते। इसकी रंगीन दीवारें चुपके से हमारी सीरी बाते सुन रही हैं, हवा में लहराते पर्दे हमारी खुशियों में झूम रहे हैं। बिसतर पर बिछी चादर खुद में हमारे आंसूओं को समेट रही है और घर के दरवाजे, आने वाल हर शख्स की आहट को पहचानते हैं।

घर इतने करीब रह कर हमारा घर स्वयं में हमारी नकारात्मक ऊर्जा को समेट लेता है जो कई बार हमारी उदासी या जीवन में पैदा होने वाली रूकावटों का कारण बनते हैं।

ऐसी नकारात्मक ऊर्जा को घर से बाहर निकालने के लिए हम आपके लिए कुछ उपाय ले कर आए हैं। तो अगर आपको भी ऐसा लगता है कि घर में घुसते ही तनाव का माहौल भर उठता है और मन में उदासी होने लगती है तो आपको जरूर आजमाने चाहिये ये तरीके।

1 घर की पेंटिंग कराएं

हमारी नकारात्मक ऊर्जा केवल

हमारे साथ नहीं चलती बल्कि हम जिन चीजों का इस्तेमाल करते हैं उनमें बस जाती है। घर के पर्दे, दीवारें या घर का फर्नीचर हमें हमारे मुश्किल वक्त का एहसास कराता रहता है, जैसे उस ने भी वह पल जीया हो।

अतः अगर आप किराए पर घर वूड रहे हैं तो बेहतर होगा कि एक वेल फर्निशड घर की बजाय एक खाली मकान खरीदें।

घर में प्रवेश करने से पहले मकान मालिक से कह कर घर की पेंटिंग कराएं तथा प्रवेश करने से एक दिन पहले पूरे घर में नमक के पानी से पोछा लगाएं एवं घर के दरवाजे एवं खिड़कियों को

भी अच्छे से पोछें।

2 ताजी हवा एवं धूप

सूरज की किरणों घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाने में बहुत की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। घर की सारी खिड़कियों व दरवाजों को खोलें और ताजी हवा को अंदर आने दें। आप चाहें तो पंखा भी चला सकते हैं।

3 नमक के पानी से फर्श पोछें

एक बाल्टी पानी में एक कप मोटा नमक डालें और इस पानी से पूरे घर में पोछा लगाएं। नमक को काफी शुभ माना जाता है तथा कुछ लोग घर खाली करते वक्त घर में नमक छोट कर जाते हैं। नमक आपके घर में नकारात्मकता को प्रवेश करने से रोकता है। यदि आप अपने घर के माहौल को सकारात्मक बनाए रखना चाहते हैं तो माह में एक दिन इस नमक वाले पानी से अपने घर में पोछा लगाएं।

4 अगरबत्ती या धूप जलाएं

अगरबत्ती और धूप में मौजूद खुशबू आपके घर को महक से भर देगी। ये सुगंधित चीजें आपके घर को एक नई ऊर्जा के साथ भरती हैं।

5 तिल का तेल जलाएं

कहते हैं कि तिल के तेल को जलाने से आपके आस-पास बुरी शक्तियां नहीं भटकती। यह काला जादू को भी विफल करने की शक्ति रखता है।

6 भजन सुनें व गायत्री मंत्र

का उच्चारण करें

यदि आपको कोई मंत्र या शाल्को आता है तो रोज सुबह नहाने के बाद उसका उच्चारण करें। घर के वातावरण को भक्तिमय बनाने के लिए किसी भजन गायक की सीडी चलाएं। इस तरह आपका मन शांत रहेगा एवं आप अपने दिन की शुरुआत सही तरीके से कर पाएंगे। यह आदत आपके ध्यान को

केंद्रित रखती है एवं आपके मन में बुरे विचारों को पनपने से रोकती है। चाहे तो इसे आजमा कर देख सकते हैं।

7 पूजा व हवन

घर में प्रवेश करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लें। इसके लिए आप किसी पंडित को बुलाकर हवन या पूजा करवाएं। भगवान के आशीर्वाद से रखा गया पहला कदम आपके लिए शुभ साबित होगा।

8 ध्यान

ध्यान, आपके विचलित मन को शांति से भरता है। ध्यान करने के बाद व्यक्ति को सुकून महसूस होता है। प्राणायाम वायु के माध्यम से आपके शरीर में मौजूद अशुद्धियों को बाहर निकालता है। प्राणायाम से आप अपनी भावनाओं पर काबू पा सकते हैं।

9 बेकार पड़ी चीजों को दान करें

अक्सर हमारे पास पुरानी चीजों का अंबार लगा होता है। इन पुरानी चीजों के साथ हमारी पुरानी यादें भी जुड़ी होती हैं। कुछ अच्छी तो कुछ बुरी। जब तक आप पुरानी चीजों को निकाल बाहर नहीं करेंगे नई चीजों के लिए स्थान नहीं बनेंगे। आप चाहें तो इन चीजों को दान में दे सकते हैं या बेच भी सकते हैं।

10 अपने घर को व्यवस्थित रखें

घर के कोनों की अच्छे से सफाई करें तथा टूटी व बेकार पड़ी चीजों को बाहर फेंकें। अपने घर को साफव सही ढंग से सजाकर रखें क्योंकि खूबसूरत वस्तु अपनी जगह पर सजी अच्छी लगती है। ऐसे सजे हुए घर में बैठकर आपको भी अच्छा महसूस होगा और इसका सीधा प्रभाव आपके मन पर पड़ेगा।

सत्य का ज्ञान



जाबाल के पुत्र सत्यकाम

गुरुकुल में रहकर ब्रह्म के सत्य के बारे में जानना चाहते थे। मां जाबाल की आज्ञा लेकर वे गौतम ऋषि के आश्रम चले आए। ऋषि ने चार सौ दुर्बल गायों को उन्हें सौंपते हुए कहा, 'वत्स! इन गायों के स्वस्थ होने के साथ-साथ जब इनकी संख्या भी बढ़ जाए, तब मेरे पास आ जाना। सत्यकाम उन गायों को लेकर तुरंत वन चले गए। दिन-रात गायों की हिंसक पशुओं से सुरक्षा और उनकी देखभाल ही उनकी साधना बन गई।

जंगल की खुली हवा, ताजा घास और स्वच्छ पानी मिलने के कारण समय के साथ न केवल गायें पूरी तरह स्वस्थ हो गईं, बल्कि उनकी संख्या भी पूरी एक हजार हो गई। गायों के निरंतर ध्यान, शुद्ध एवं शांत वातावरण ने सत्यकाम को पूरी तरह एकाग्रचित्त बना दिया। उनकी सेवा रूपी तपस्या से ईश्वर उन पर प्रसन्न हुए और उन्हें ब्रह्म का ज्ञान हो गया। जब वे गायों को लेकर आश्रम पहुंचे, तो उनकी उपलब्धियां देखकर आचार्य अत्यंत प्रसन्न हुए। तब सत्यकाम ने उनसे ब्रह्मज्ञान का उपदेश देने का आग्रह किया। इसके जवाब में आचार्य ने कहा कि तुम्हें सत्य का ज्ञान हो गया है। अब और किसी उपदेश की जरूरत नहीं है। तब सत्यकाम ने उनसे कहा कि वह अपने गुरु के मुख से सत्य को, ब्रह्म को जानना चाहते हैं। इस तरह उन्होंने आचार्य से संपूर्ण ज्ञान प्राप्त किया। सत्यकाम पूर्ण ज्ञानी होकर वापस घर आ गए और शांति के साथ अपने धर्म का पालन करने लगे।

भूल कर भी न करें ये 5 काम, इनसे मिलता है अपमान

जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब मान-सम्मान की रक्षा के लिए लोगों ने अपने प्राण भी गंवा दिए। इसके विपरीत कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें उनके बुरे कामों के कारण जीवन में कभी न कभी अपयश यानी अपमान का सामना करना पड़ता है। गण्ड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पड़ता है। आज हम आपके उन्हीं कामों के बारे में बता रहे हैं। गरुण पुराण के अनुसार वो 5 काम इस प्रकार हैं—

अर्थात् - 1. दरिद्र होकर दाता होना, 2. धनवान होने पर भी कंजूस होना, 3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना, 4. दुष्ट लोगों की सेवा करना तथा 5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना। इन 5 कामों से अपमान ही मिलता है।

1. दरिद्र होकर दाता होना
जब कोई गरीब व्यक्ति अपनी हैसियत से अधिक दान देता है तो उसे व उसके परिवार को धन से संबंधित अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि ऐसा वह बार-बार करता है तो कई बार स्थिति बहुत ही कठिन हो जाती है। ऐसा कुछ लोग दूसरों को दिखाने के लिए भी करते हैं, लेकिन इस दिखावे में वह यह भूल जाते हैं कि इसके कारण उसके परिवार को परेशानी हो सकती है। इसलिए दान देते समय अपनी आर्थिक स्थिति जरूर देख लेना चाहिए, नहीं तो आगे जाकर अपमान का सामना करना पड़ सकता है।

2. धनवान होने पर भी कंजूस होना
अगर आपके पास पर्याप्त धन है और फिर भी आप कंजूस हैं तो इसके कारण भी आपको अपमानित होना पड़ सकता है। सोच-समझकर पैसा खर्च करना अच्छी बात है, लेकिन जब ये जरूरत से ज्यादा हो जाता है तो आप कंजूस की श्रेणी में आ जाते हैं। जिस

जगह जितना खर्च करना जरूरी है, उतना तो करना ही चाहिए। अगर आप वहां से भी पैसा बचाने की कोशिश करेंगे तो लोग आपको कंजूस ही समझेंगे। कंजूस लोगों को अपनी इस आदत के कारण कई बार अपमान का सामना करना पड़ता है। इसलिए पैसों का सही उपयोग करें, लेकिन कंजूस न बनें।

3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना
जिस व्यक्ति का पुत्र उसके कहने में नहीं होता, उसे भी परिवार, समाज के सामने अपमानित होना पड़ता है। पुत्र आज्ञाकारी नहीं होगा तो वह अपनी मनमानी करेगा। कई बार ऐसे पुत्र कुछ ऐसा काम कर देते हैं, जिसके कारण न सिर्फ पिता को बल्कि

गरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पड़ता है। जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए।

पूरे परिवार व कुटुंब को ही अपमान झेलना पड़ता है। ऐसे एक नहीं कई उदाहरण देखने को मिलते हैं, जहां पुत्र के कारण पिता को अपमानित होना पड़ा जैसे- दुर्गोधन के कारण धृतराष्ट्र का राजपाठ ही नहीं बल्कि पूरे परिवार का ही नाश हो गया। इसलिए कहते हैं कि पुत्र आज्ञाकारी हो तो इससे बड़ा सुख दुनिया में और कोई नहीं है। और यदि

श्लोक-

**दाता दरिद्रः कृपणोऽर्थयुक्तः पुत्रोऽविधेयः कुजनस्य सेवा।
परापकारेषु नरस्य मृत्युः प्रजायते दुश्चरितानि पञ्च॥**

पुत्र अपने पिता की बात नहीं मानता तो इससे बड़ा कोई दुख नहीं है।

4. दुष्ट लोगों की सेवा करना

जो लोग दुष्ट यानी बुरे काम करने वाले लोगों के साथ रहते हैं व उनकी सेवा करते हैं अर्थात् उनकी बात मानते हैं, ऐसे लोगों को भी अपने जीवन में कभी न कभी अपमानित जरूर होना पड़ता

अपमानित होना पड़ता है। इसलिए बुरे काम करने वाले लोगों से दूर रहने में भलाई है।

5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना

अगर किसी का नुकसान करते हुए आपकी मौत हो जाती है तो ये भी अपमान का कारण है। हालांकि मृत्यु के बाद मान-अपमान का कोई महत्व



है। जो लोग बुरे काम करते हैं, वे हमेशा अपने निजी स्वार्थ के बारे में सोचते हैं। जरूरत पड़ने पर वह अपने साथी को भी बलि का बकरा बना सकते हैं। जिस दिन इन लोगों की सच्चाई सामने आती है इनके परिवार वालों की भी शर्मिदा होना पड़ता है। उनके साथ-साथ ऐसे लोगों के साथ रहने वाले लोगों भी

कमाई अस्सर जरूर पड़ता है। आपके परिवार व आने वाली पीढ़ियों को भी आपके द्वारा किए गए इस काम के कारण शर्मिदा होना पड़ सकता है। इसलिए कभी भी किसी का नुकसान नहीं करना चाहिए, यहां तक कि सोचना भी नहीं चाहिए।

मानसिक शांति के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू पंचांग में भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को कुशोत्पाटिनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह एकादशी 12 सितंबर के दिन है। इस एकादशी को कुशग्रहणी अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन वर्ष भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में इस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है। **कुशाः काशा यवा दूर्वा उशीराच्छ सकुन्दकाः। गोधूमा ब्राह्मयो मौन्या दश दध्वाः सबल्वजाः॥** कुशोत्पाटिनी एकादशी का महत्व हिंदू पौराणिक ग्रंथों में अमावस्या

तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तुष्टि के लिए तर्पण, दान-पुण्य का महत्व है।

जब अमावस्या के दिन सोमवार, मंगलवार और गुरुवार के साथ जब अमराव्या, विशाखा और स्वाति नक्षत्र का योग बनता है, तो यह बहुत पवित्र योग माना गया है।

यह मिलता है फल

कुशाग्रहणी अमावस्या के दिन तीर्थ, स्नान, जप, तप और व्रत के पुण्य से ऋण और पापों से छुटकारा मिलता है। इसलिए यह संयम, साधना और तप के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। यह व्रत एक वर्ष तक किया जाता है। जिससे मानसिक शांति मिलती है।

स्टडी रूम के दक्षिण—पूर्व में लगाएं मनीप्लांट

फेंगशुई का उपयोग आज कल बहुत तेजी से बढ़ गया है। खासकर लोग इनको अपनी समस्याओं के समाधान के लिए ज्यादा प्रयोग करते हैं, फेंगशुई का प्रयोग हम एकाग्रता बढ़ाने के लिए भी कर सकते हैं, जानते हैं कैसे।

■ अपनी स्टडी रूम में हरे पत्तों का प्रयोग करें। स्टडी रूम या घर में कहीं टूटे खिलौने हैं तो उन्हें तुरंत हटा दें, क्योंकि इनसे उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा नाक, कान, गला व आंख के इंफेक्शन का कारण होती है।

■ स्टडी रूम व घर में कहीं भी बंद घड़ियां नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं और अगर किसी कारण से आप इन्हें फेंकना या बेचना नहीं चाह रहे हैं तो इन्हे ठीक करा लें।

■ अपनी टेबल पर ग्लास, क्रिस्टल का वस्तुएं रखें जैसे कांच के हनुमान जी, गणेश जी, पिरमिड, फ्रिज्म, और एजुकेशन टावर रखें।

■ सकारात्मक ऊर्जा और पढ़ाई में एकाग्रता के लिए पढ़ाई के कमरे के दक्षिण-पूर्व कोने में मनी प्लांट लगाएं तथा उत्तर-पूर्व दिशा में फिश एक्वेरियम रखें।

■ विद्यार्थी अपनी स्टडी टेबल पर ईशान कोण में ग्लास हैवीक्राट की मूर्ति रखें, इससे शिक्षा और ज्ञान में वृद्धि होती है व अपेक्षित परिणाम मिलते हैं। उनके मित्र भी सक्रिय होकर उनकी मदद करते हैं।

■ विद्यार्थी अपनी पूर्व की दीवार साफ-सुथरी रखें। हरा बल्लू, हरा पौधा, हरा पिरामिड पूर्व में रखें। बैबू प्लांट भी रख सकते हैं।

■ स्टडी रूम के लिहाज से पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा का कमरा बेहतर माना जाता है। साथ ही अगर बच्चा ईशान कोण या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुंह करके पढ़ता है तो परिणाम बेहतर होंगे। ऐसे में कमरे की इस दिशा में क्राटर्ज क्योंकि इनसे उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा नाक, कान, गला व आंख के इंफेक्शन का कारण होती है।

■ शतरंज-रणनीति, किताबें-अध्ययन, पेंटिंग-रचनात्मकता और बांसुरी-संगीत का प्रतिनिधित्व करता है। लिहाजा स्टडी रूम के उत्तर-पूर्व दिशा में इन चिन्हों को रखने से शैक्षणिक सफलता मिल सकती है।

■ कई बार कमरे में सारी चीजें सही दिशा और सही जगह पर रहने के बाद भी सकारात्मक प्रभाव नहीं मिलता। ऐसे इसलिए होता है कि क्योंकि कमरे में स्थिरता आ जाती है। ऐसे में कमरे को पुनःव्यवस्थित करें और चीजों को नए क्रम में सजाएं। साथ ही सप्ताह में एक बार बच्चों के स्टडी रूम में नमक के पानी से पोछा लगाएं। इससे भी कमरे में पॉजिटिव माहौल बना रहता है।

■ बच्चों के अध्ययन कक्ष में यदि आईना है तो उसे इस तरह से न रखें कि पढ़ाई करते वक्त उसमें बच्चों की परछाई पड़े, क्योंकि इससे बच्चों की पढ़ाई का बोझ दोगुना हो सकता है।

ऐसा करेंगे तो शिव होंगे जल्द प्रसन्न

देवों के देव महादेव सबसे जल्द प्रसन्न होने वाले देव हैं। शिव पूजा करते समय बिल्वपत्र, कमल, कुश, दुर्वा, धतूरा, आक, कनेर, श्रंगार, शमी, शहद, दुग्ध, कुपा, ईख, गंगा जल, और ऋतु फल के रस से शिवलिंग का अभिषेक करें। ऐसा करने

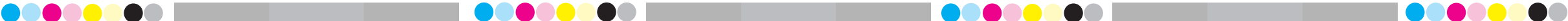
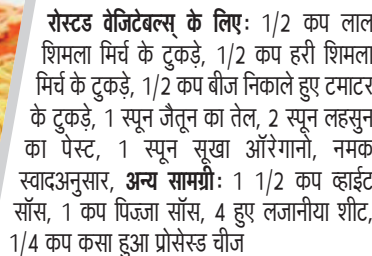
से भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं। पुराणों में उल्लेख मिलता है कि श्रावण माह में यदि शिव को प्रसन्न करना है, तो उनकी आराधना जरूर करनी चाहिए। इसीलिए सप्ताह के सातों दिन शिव की पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि

रविवार को शिव आराधना करने से पाप का नाश होता है। सोमवार को शिवलिंग की पूजा करने पर धन लाभ, मंगलवार को शिवपूजा करने पर स्वास्थ्य लाभ मिलता है। बुधवार को शिवपूजा करने से संतान प्राप्ति होती है।

गुरुवार को शिव की आराधना

करने से आयु में वृद्धि होती है। शुक्रवार को शिव की पूजा करने पर इंद्रिय सुखों की प्राप्ति होती है और शनिवार को भगवान शिव की आराधना करने पर मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। श्रावण माह में सप्ताह के सातों दिन पूजा करने पर भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं।







उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2025-26 में इस योजना के लिए 18,232 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था। वहीं, चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना का बजट 10,000 करोड़ रुपये रखा गया है।



नई दिल्ली। अपने आने वाले पलायनपर स्मार्टफोन वनजस 16 को वनजस कंपनी बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। चीन में वनजस 16 को 12 अक्टूबर 2026 को लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने इस बात फोन को केमरा और परफार्मेंस के साथ खास तौर पर गेमिंग को ध्यान में रखकर तैयार किया है। वनजस में 185 हर्ट्ज गेमिंग रिफ्रेश रेट और 185 एफपीएस सपोर्ट दिया जाएगा। इसके अलावा डिस्क 200 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा भी मिलेगा। हालांकि भारत में इसकी लांच तारीख की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। वनजस 16 में कंपनी की विंड वेजर गेमिंग कोर, हाई रिफ्रेश रेट तकनीक और ई-स्पॉट्स ट्विच विप सिस्टम जैसी तकनीकें भी देखी जाएंगी। केमरा सेटअप की बात करें तो इसमें 200 मेगापिक्सल का मुख्य सेंसर मिलेगा, जो 1/1.4 इंच आकार और एफ/1.6 अपवर्न के साथ आएगा। इसके साथ 50 मेगापिक्सल का पेरिस्कोप टेलीफोटो और 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड केमरा दिया जाएगा। फ्रंट में 50 मेगापिक्सल का आटोफोकस सेल्फी केमरा मिलने की जानकारी है। पेरिस्कोप केमरे में 3 गुना ऑप्टिकल और 8 गुना लासलेस ज़ूम सपोर्ट मिलने की बात कही गई है। वहीं अल्ट्रावाइड केमरा 116 डिग्री फील्ड ऑफ व्यू दे सकता है। लॉक के अनसुरासरे 9000 एम्पएच बैटरी और 100 वाट चार्जिंग मिल सकती है, हालांकि बैटरी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। चीन में यह कई ईम और स्टोरज विकल्पों में आएगी। भारत में उपलब्धता अभी स्पष्ट नहीं है और कुछ रिपोर्टों में वनजस 16आर के आने की संभावना मिल रही है। फोन में मास्टर सॉफ्ट, हाई-पिक्सल मोड और 65-24 वाइडस्क्रीन मोड जैसे इमेजिंग विकल्प भी मिलेंगे। परफार्मेंस के लिए इसमें वनजलकाक का नया स्पेक्ड्रैन 8 एलीए एक्सडिस्क जेन 6 चिपसेट दिया जाएगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, 19 Towers (T19),

Near Bus Stand, Ranigunj,

Secunderabad - 500 003

8688868345

शुभ लाभ

महाराष्ट्र

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 03 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज ईस्ट एवं सेंट्रल जोन की बैठक में जयंती और नौ दिवसीय डांडिया की तैयारियों पर चर्चा

महाराजा अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती पर भव्य आयोजन की तैयारी, फिल्म जगत की हस्तियां होंगी शामिल



हैदराबाद, 2 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना ईस्ट जोन एवं सेंट्रल जोन शाखाओं की जयंती एवं डांडिया कार्यक्रम के उपलक्ष्य में एक विशेष बैठक राघव रत्ना टावर के 10वें फ्लोर स्थित समाज के सभागृह में आयोजित की गई। मीडिया प्रचार-प्रसार समिति के चेयरमैन राजकुमार गुप्ता की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि आगामी 11 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती मनाई जाएगी। इसके उपलक्ष्य में समाज की ओर से शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन थ्री में नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जयंती एवं डांडिया कार्यक्रम के सफल आयोजन की तैयारियों के लिए जोनवार

बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में ईस्ट जोन एवं सेंट्रल जोन शाखा के पदाधिकारियों तथा के.एस. सदस्यों के साथ यह बैठक आयोजित की गई। सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना कर सभा का शुभारंभ किया गया। केंद्रीय संयुक्त मंत्री प्रतीक कुमार नरसरिया ने मंच संचालन करते हुए केंद्रीय पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया। केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने सभा को संबोधित करते हुए स्वागत किया और सभी से आगामी डांडिया कार्यक्रम में सपरिवार सम्मिलित होकर इसे सफल बनाने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही हैं

तथा फिल्म जगत की कई हस्तियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। संयुक्त मंत्री प्रतीक नरसरिया ने समाज की ओर से आयोजित होने वाले नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बहुत ही भव्य डांडिया कार्यक्रम होने जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन फिल्म जगत की हस्तियां भाग लेंगी। जयंती के दिन हेमा मालिनी जी अपने दल के साथ दुर्गा नृत्य की प्रस्तुति देंगी। इसके अलावा महाभारत में भीष्म पितामह का किरदार निभाने वाले मुकेश खन्ना महाराजा अग्रसेन जी की वेशभूषा में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा भाग्यश्री, राकेश बेदी, निधि अग्रवाल, शोभा सत्य एवं पूर्णिमा तिवारी (हेनुमान अंश फिल्म की

टीम), द ग्रेट खली, पायल राजपूत, हिबा पटेल तथा आगामी महाराजा अग्रसेन फिल्म के निर्माता सत्री अग्रवाल भी इस नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। मुंबई का मशहूर ताल बैंड समूह नौ दिवसीय कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति से धूम मचाएगा। सभी शाखाओं से अनुरोध किया गया कि वे कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर सम्मिलित हों। यदि कोई सदस्य डांडिया कार्यक्रम में सेवा एवं सहयोग देना चाहता है तो वह समाज कार्यालय में आकर अपना नाम लिखवा सकता है। बैंकेट हॉल के चेयरमैन सुरेश कुमार (चिमनलाल सुरेश कुमार) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जयंती एवं डांडिया की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस कार्यक्रम में सदस्यों को प्रिविलेज कार्ड देकर ही सम्मिलित होने दिया जाएगा। जिन सदस्यों ने अभी तक प्रिविलेज कार्ड नहीं बनाया है, वे शाखा के माध्यम से अथवा सीधे केंद्रीय समिति में आकर कार्ड बनवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रिविलेज कार्ड आज समाज का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। इसका उपयोग केवल डांडिया कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगे भी विभिन्न स्थानों पर इसका उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज ही दो जांच केंद्रों ने समाज से

संपर्क कर 30 से 40 प्रतिशत छूट देने की बात कही है। जयंती के बाद इस दिशा में और कार्य किया जाएगा। सुरेश कुमार ने बताया कि समाज की सदस्यता 21,000 तक पहुंच गई है और प्रतिदिन नए सदस्य बन रहे हैं। इसी गति से सदस्यता 25,000 तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि जिलों से भी सदस्य बनने के लिए काफी फोन आ रहे हैं। हम सभी को सदस्य बनाकर अपने समाज को एक सशक्त आवाज बनाना है। उन्होंने बताया कि नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम में भोजन की व्यवस्था समाज की ओर से की जाएगी। बैठक में बताया गया कि शाखा पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है कि उपलब्ध स्थान की व्यवस्था को देखते हुए शाखा के सदस्यों को रोटेशन के आधार पर भेजें, ताकि सभी सदस्यों को डांडिया कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिल सके। आगे डांडिया में प्रवेश के लिए अधिक से अधिक सदस्यों को सम्मिलित करने की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है, जिसकी जानकारी सदस्यों को दी जाएगी। नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम में समाज की ओर से ढेरों पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। साथ ही नौ दिवसीय डांडिया में समाज की ओर से उत्तम भोजन-प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। सभा



में उपस्थित ईस्ट जोन एवं सेंट्रल जोन के पदाधिकारियों तथा के.एस. सदस्यों से भी विचार मांगे गए कि कार्यक्रम को और बेहतर तरीके से कैसे सफल बनाया जा सकता है। सदस्यों ने सभा में अपने विचार और सुझाव रखे तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। सभा में केंद्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, बैंकेट हॉल चेयरमैन सुरेश कुमार (चिमनलाल सुरेश कुमार), डांडिया संयोजक प्रवीण अग्रवाल, समाज परामर्शदाता संदीप पटवारी, उपाध्यक्ष सीए हरि गोविंद प्रसाद, संयुक्त मंत्री प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल, ईस्ट जोन समन्वयकर्ता महेंद्र अग्रवाल, सेंट्रल जोन समन्वयकर्ता अजय तुलस्यान, मीडिया प्रचार-प्रसार समिति के चेयरमैन राजकुमार गुप्ता, ईस्ट एवं सेंट्रल जोन शाखाओं के पदाधिकारी तथा केंद्रीय समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में सुरुचि भोज के साथ सभा का समापन हुआ।

रामायण मेला समिति ने प्रदर्शनी सोसाइटी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का किया सम्मान



हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामायण मेला समिति की ओर से प्रदर्शनी सोसाइटी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। रामायण मेला समिति के प्रधान संयोजक एवं राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री गोविंद नारायण राठी, रामायण मेला के कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल दगा एवं संयोजक मनोज जायसवाल ने प्रदर्शनी सोसाइटी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शॉल, स्मृति चिह्न तथा माला पहनाकर सम्मान किया। रामायण मेला समिति की ओर से प्रदर्शनी सोसाइटी के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष नरोत्तम रेड्डी, सचिव ए. राजेंद्र कुमार, संयुक्त सचिव

आनंद, कोषाध्यक्ष विनय कुमार तथा प्रबंध समिति के सदस्यों सत्येंद्र, के. दिलीप रेड्डी, फहीमदीन एवं राजशेखर का सम्मान किया गया। इस अवसर पर रामायण मेला के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी ने प्रदर्शनी सोसाइटी के उपाध्यक्ष एवं सचिव से कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामायण मेला के लिए प्रदर्शनी सोसाइटी के सहयोग की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष किसी कारणवश डांडिया का आयोजन नहीं किया गया था। इस वर्ष डांडिया आयोजन के लिए आर्थिक समिति एवं प्रदर्शनी सोसाइटी से सहयोग करने का आह्वान किया गया।



पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय और अलय बलय फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती बंडारू विजयलक्ष्मी ने 2 अक्टूबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी से मुलाकात की। उन्होंने उन्हें अलय बलय फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले वार्षिक अलय बलय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने का निमंत्रण दिया। यह कार्यक्रम 22 अक्टूबर 2026 को हैदराबाद में आयोजित होने वाला है।



महात्मा गांधी जी की 157वीं जयंती के अवसर पर बापू घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह। इस अवसर पर तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री मोहम्मद अज-हरुदीन, आदित्य सिंह एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिकों की सेवा में उमड़ा समाज, 500 मरीजों ने उठाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ



हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर 2 अक्टूबर को दोमलगुडा स्थित ए.वी. कॉलेज में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 500 मरीजों ने निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। स्वास्थ्य जांच के साथ जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क वितरित की गईं। शिविर का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उन्हें यह एहसास कराना था कि समाज उनके सुख-दुख में उनके साथ खड़ा है। शिविर में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच कराई। निःशुल्क दवा वितरण में गोयल फार्मा, गोयल ड्रग्स, विड लाइफ साइंसेज, हरचंदराय कौशल्यादेवी अग्रवाल नागल दुर्गुवाले परिवार तथा राधे-राधे ग्रुप का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। सेवा कार्य में राम प्रकाश अग्रवाल, राजेंद्र गुप्ता, महावीर बोहरा एवं विजया शांति ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में लायन सुरेश जगनानी, लायन नूली श्रीनिवास राव, लायन सुरेश अग्रवाल, लायन गोपाल अग्रवाल, लायन रतन गुप्ता, लायन पूनम जैन, लायन विजय भास्कर, लायन हरिहरन, लायन मनीषा ठाकुर, प्रमोद ठाकुर, अरुण विजयवर्गीय एवं नीलम गणमान्यजून उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज के अनुभव और

संस्कार की धरोहर हैं। उनके स्वास्थ्य, सम्मान और आवश्यकताओं की चिंता समाज की निरंतर जिम्मेदारी होनी चाहिए। आयोजकों ने कहा कि जरूरतमंदों तक समय पर स्वास्थ्य सुविधा और दवा पहुंचाना सामाजिक संवेदनशीलता का प्रमाण है। शिविर के माध्यम से सेवा, सम्मान और मानवीय सहयोग का संदेश दिया गया।

एनएमडीसी ने महात्मा गांधी को उनकी 157वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी



हैदराबाद, 2 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने आज अपने मुख्यालय, हैदराबाद और देश भर की सभी परियोजनाओं में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को उनकी 157वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। मुख्यालय, हैदराबाद में गांधी जयंती समारोह का शुभारंभ श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), श्री कृष्ण कुमार ठाकुर, निदेशक (कार्मिक), श्री विवेक निशांत नाथ, निदेशक (वाणिज्य) और श्री सी नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलन और महात्मा गांधी के चित्र परमाल्यापण के साथ वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। इस भव्य अवसर पर उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने स्वच्छता की शपथ ली।

साथ ही, स्वच्छता, साफ-सफाई, स्वस्थ कार्यस्थल और आसपास के वातावरण को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस अवसर पर, श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) ने सभी कर्मचारियों से स्वच्छता के लिए कुछ घंटे समर्पित करने का आह्वान किया और उनसे आग्रह किया कि वे स्वच्छता बनाए रखने के लिए पहले स्वयं में परिवर्तन लाते हुए दूसरों को अपना समय तथा प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करें। उन्होंने ईमानदारी, सत्य और विश्वास पर गांधीजी के विचारों को आत्मसात करके कर्मचारियों से एक शिक्षित, विकसित और समृद्ध भारत का लक्ष्य रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम का समापन, एनएमडीसी मुख्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की भागीदारी के साथ संपन्न हुआ।

आंध्र प्रदेश महेश बैंक द्वारा क्रेडिट एवं क्रेडिट मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश महेश बैंक द्वारा अपने शाखा प्रबंधकों एवं क्रेडिट मूल्यांकन कार्यों से जुड़े अधिकारियों के लिए ब्लूक्रेडिट एवं क्रेडिट मूल्यांकनक विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उनके ज्ञान, कौशल एवं क्रेडिट मूल्यांकन संबंधी क्षमताओं को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में बैंक के अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पालोड, उपाध्यक्ष श्री गोविंद नारायण राठी, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हनमनदास राठी तथा महाप्रबंधक श्री कमल किशोर राठी की गरिमायवी उपस्थिति रही। बैंक के



सभी कार्यपालक अधिकारियों तथा सभी शाखा प्रबंधकों/क्रेडिट कार्य संभालने वाले अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। डइख अल्लवशा, गुरुग्राम से आए अनुभवी संकाय सदस्यों

श्री प्रवीण सोनी, सहायक महाप्रबंधक एवं श्री अरविंदो पात्रा, सहायक महाप्रबंधक ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने क्रेडिट मूल्यांकन एवं ऋण प्रदान करने की प्रक्रियाओं के विभिन्न

पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी तथा व्यावहारिक ज्ञान साझा किया। कार्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा अत्यंत सराहा गया तथा इससे बैंक के क्रेडिट संचालन की गुणवत्ता एवं कार्यक्षमता को बढ़ाने में योगदान मिलने की अपेक्षा है। आंध्र प्रदेश महेश बैंक वर्तमान में 4 राज्यों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं राजस्थान में 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ कार्यरत है। बैंक अपने मूल सिद्धांतों को बनाए रखते हुए स्वयं को एक ऐसे संगठन के रूप में परिवर्तित कर रहा है, जो नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ सेवाएं प्रदान करता है तथा भविष्य के लिए एक स्पष्ट एवं सुव्यवस्थित दृष्टिकोण रखता है।



हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी 9 से

फैशन शोकेस एवं हाईलाइफ ब्राइड्स की तिथियों की घोषणा

हैदराबाद, 2 अक्टूबर 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ ब्राइड्स की ओर से ब्राइडल, वेडिंग, फैशन एवं लाइफस्टाइल की सबसे बड़ी प्रदर्शनियों में से एक हाईलाइफ ब्राइड्स-हैदराबाद संस्करण का आयोजन 9, 10 एवं 11 अक्टूबर 2026 को एचआईसीसी, नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में किया जाएगा। इस अवसर पर फैशन शोकेस के साथ प्रदर्शनी की तिथियों की घोषणा की गई।

अभिनेत्री रितु चौधरी, अभिनेत्री प्रियंका, उर्मिला चौहान (मिस इंडिया तेलंगाना-2023) सहित शीर्ष मॉडल, फैशन प्रेमियों एवं फैशन जगत से जुड़े लोगों ने हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी के अक्टूबर 2026 संस्करण की तिथियों की घोषणा की। यह प्रदर्शनी 9 से 11 अक्टूबर तक एचआईसीसी-नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में आयोजित होगी।

हाईलाइफ ब्राइड्स में अब तक का सबसे बड़ा दुल्हन-केंद्रित प्रदर्शन प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें विवाह के आभूषण, दुल्हन के परिधान, विवाह की साड़ियां, विवाह संबंधी आवश्यक वस्तुएं, फैशन



एवं लाइफस्टाइल उत्पाद, डिजाइनर परिधान तथा सहायक वस्तुओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें देश के प्रमुख विवाह डिजाइनरों, आभूषण निर्माताओं, फैशन ब्रांडों एवं अन्य प्रतिष्ठित प्रदर्शकों की विशेष प्रस्तुतियां शामिल होंगी।

आयोजकों के अनुसार, हाईलाइफ ब्राइड्स विवाह, ब्राइडल एवं डिजाइनर

खरीदारी को एक विशेष अनुभव के रूप में प्रस्तुत करता है। देशभर के प्रमुख डिजाइनरों द्वारा तैयार किए गए चुनिंदा एवं आकर्षक डिजाइनों को एक ही स्थान पर प्रदर्शित किया जाएगा। जिस प्रकार गंतव्य विवाह एक विशेष अनुभव होता है, उसी प्रकार हाईलाइफ ब्राइड्स को भी आभूषण, विवाह परिधान, दुल्हन के परिधान,

डिजाइनर परिधान, कपड़े, सहायक वस्तुएं, जूते-चप्पल तथा अन्य विवाह संबंधी उत्पादों की विशेष खरीदारी के गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी को विवाह क्षेत्र की लोकप्रिय प्रदर्शनियों में शामिल बताया गया है। इस वर्ष हैदराबाद में 9, 10 एवं 11 अक्टूबर को एचआईसीसी, नोवोटेल, हाईटेक सिटी में विशेष हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर हाईलाइफ एग्जिबिशन के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा हाईलाइफ ब्राइड्स के मुख्य आयोजक श्री एबी पी. डोमिनिक ने कहा कि हाईलाइफ ब्राइड्स अपने तरह की विशेष और बड़े स्तर की प्रदर्शनी है। इसमें विवाह एवं दुल्हन से जुड़ी आवश्यक वस्तुओं के साथ फैशन एवं लाइफस्टाइल उत्पादों का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में नवीनतम फैशन, डिजाइनर परिधान, आभूषण, विवाह आभूषण, फैशन ब्रांड एवं विवाह संबंधी आवश्यक वस्तुओं के साथ अन्य उत्पाद भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

सेवा वही, जिसमें किसी के काम आने का सुख हो : अनीता सोनी

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में नियमित सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों ने आपसी सहभागिता के साथ सेवा कार्य को आगे बढ़ाया।

इस अवसर पर अनीता सोनी ने कहा कि जीवन की वास्तविक खुशी केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने में है। उन्होंने कहा कि सेवा के लिए बड़े साधनों की नहीं, बल्कि संवेदनशील मन और दूसरों के लिए कुछ करने की इच्छा की आवश्यकता होती है। व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार किया गया छोटा-सा प्रयास भी किसी दूसरे के लिए बड़ी मदद बन सकता है।

उन्होंने कहा कि समाज में आपसी सहयोग और अपनत्व की भावना को मजबूत करना आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। जब लोग एक-



दूसरे के सुख-दुःख में साथ खड़े होते हैं, तो सामाजिक रिश्ते और अधिक मजबूत होते हैं। इसी भावना को लेकर राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से एक साथ जुटते हैं और अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हैं।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भावलाल गुप्ता, संजय गुप्ता, उमाकांत गुप्ता, बृजमोहन सोनी, अनीता सोनी एवं अब्बान सोनी सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

उपस्थित सदस्यों ने कहा कि समाज की मजबूती केवल

आर्थिक संपन्नता से नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति संवेदना और जिम्मेदारी से होती है। जरूरत के समय किसी के साथ खड़ा होना ही सामाजिक एकजुटता की पहचान है। ऐसे प्रयासों से नई पीढ़ी को भी सहयोग और संस्कार का महत्व समझने की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम में सदस्यों ने मिलकर सेवा गतिविधियों को निरंतर जारी रखने की भावना व्यक्त की। सेवाद्वजसमर्पणद्वजसहयोग के मूल भाव के साथ राधे-राधे ग्रुप का नियमित कार्यक्रम लोगों को मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देता रहा।

प्राग्नापुर में सीएटीसी-13 शुरू, 600 एनसीसी कैडेट्स शामिल



प्राग्नापुर (गर्जवल), 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद ग्रुप, एनसीसी डायरेक्टोरेट (एपी एंड तेलंगाना) के अंतर्गत कंबाईड एनुअल ट्रेनिंग कैंप - सीएटीसी-13 आज सेंट मेरी विद्या निकेतन स्कूल, प्राग्नापुर में शुरू हुआ। 01 से 10 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस 10 दिवसीय कैंप में सिकंदराबाद ग्रुप के 48 संस्थानों के 600 कैडेट्स (एसडी/एसडब्ल्यू और जेडी/जेडब्ल्यू) शामिल हो रहे हैं। कैंप का उद्घाटन कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल जाविद हुसैन ने किया। उद्घाटन समारोह एनसीसी गीत और कैंप कमांडेंट के स्वागत संबोधन के साथ शुरू हुआ।

पेड़ में कैडेट्स को संबोधित करते हुए कैंप कमांडेंट ने अगले 10 दिनों का रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि सीएटीसी सिर्फ ड्रिल और फायरिंग नहीं, बल्कि स्वयं को परिवर्तित करने का अवसर है। विभिन्न धर्मों, जिलों और पृष्ठभूमियों के कैडेट्स के साथ रहकर एकता और 0500 से 2200 बजे तक की दिनचर्या का पालन कर अनुशासन सीखा जाएगा। उन्होंने हर पेड़ में 100 प्रतिशत उपस्थिति, वरिष्ठों का सम्मान, कनिष्ठों के प्रति करुणा और सभी प्रतियोगिताओं में अनिवार्य भागीदारी की अपेक्षा जताई। गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर सत्य, अहिंसा और स्वच्छता अपनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि आज अच्छे कैडेट बनकर कल महान नागरिक बनें।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर गौलीपुरा में पुष्पांजलि अर्पित



हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को महात्मा गांधी की 157वीं जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती के अवसर पर मित्र युथ एसोसिएशन के

महासचिव एस.पी. क्रांति कुमार द्वारा गौलीपुरा स्थित गांधी प्रतिमा पर आयोजित कार्यक्रम में गांधी प्रतिमा और शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए

क्रांति कुमार ने अहिंसा के मार्ग पर चलकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी द्वारा दिए गए निस्वार्थ योगदान को याद किया। उन्होंने स्वतंत्र भारत के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में शास्त्री के कार्यकाल के दौरान दिए गए प्रेरणादायक नारे झंझर जवान, जय किसान के साथ भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में मित्र युथ एसोसिएशन के सदस्य बी. कोटेश, बी. कार्तिक चारी, एस. प्रणीत, दुर्गा प्रसाद तथा स्थानीय निवासी मिता रविदर, टी. श्रीनिवास, नरेश चारी, मधुसूदन और अन्य लोग उपस्थित रहे।

महासाध्वी पूज्य आगमश्रीजी म.सा., सेवाभावी मधुर गाथिका महासाध्वी पूज्य धैर्यश्रीजी म.सा. आदि ठाणा के पावन सानिध्य तथा उपप्रवर्तक गौरव मुनि जी म.सा. की निश्राम में महासाध्वी आगमश्रीजी म.सा. का भव्य तप अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

श्री जैन श्रावक संघ कोरा के मंत्री अनिल तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर 93 आर्यबिल की तपस्या पूर्ण करने के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र प्रवर्तक परम पूज्य कुंदन ऋषि जी महाराज द्वारा महासाध्वी आगमश्रीजी म.सा. को इन्द्राक्षिण भारतीय तप चक्रेश्वरीपद से विभूषित किया गया। जैन कॉन्फ्रेंस की महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रतिबाई मेहता, जैन कॉन्फ्रेंस की सदस्य श्रीमती कांताबाई समदड़िया सहित गणमान्य महिलाओं ने महासाध्वीजी को पद की चादर ओढ़ाकर सम्मानित किया। धर्मसभा में तपस्या की अनुमोदना को लेकर वातावरण अत्यंत उत्साहपूर्ण रहा। उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने खड़े होकर महासाध्वीजी की कठिन तपस्या की अनुमोदना की तथा उनकी सुखसाता पूछी। कार्यक्रम में उपप्रवर्तक गौरव मुनि जी म.सा. ने सिकंदराबाद स्थानक से पधारकर

महासाध्वीजी की तपस्या की सुखसाता पूछी एवं अनुमोदना की। अपने प्रवचन में उन्होंने तपस्या के महत्व को समझाते हुए कहा कि आर्यबिल तप करना अत्यंत कठिन है और उसमें भी दो द्रव्य के साथ आर्यबिल करना और अधिक कठिन साधना है।

महासाध्वीजी की तपस्या की अनुमोदना में अनेक साधु-साध्वियों के शुभकामना संदेश भी प्राप्त हुए। महाराष्ट्र के जोड़ी कॉलोनी में विराजमान साध्वी श्री स्वर्णप्रभाजी ने भी महासाध्वीजी की तपस्या की अनुमोदना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

श्री वर्धमान महिला मंडल की नंदा तातेड ने महासाध्वी आगमश्रीजी म.सा. के तपस्य जीवन एवं उनकी विभिन्न तप उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि महासाध्व-ीजी को आर्यबिल तपोनिधि, आर्यबिल शिरोमणि, तप ज्योति, तप सूर्य, अखंड आर्यबिल आराधिका, कर्नाटक तप चंद्रिका, युवा तपस्वी एवं उग्र तपस्वी सहित अनेक तप पदवियों से अलंकृत किया जा चुका है।

महासाध्वीजी ने अपने जीवन का अधिकांश समय तपस्या एवं साधना को समर्पित किया है। उन्होंने 12 माह के अखंड आर्यबिल, 31 उपवास, 21 उपवास, 8, 9, 11 एवं 12 उपवास सहित अनेक कठिन तप किए हैं। सिद्धि तप तथा अनेक बेल-बेल की तपस्याएं भी की हैं। उनकी तप साधना का विशेष उल्लेख करते हुए बताया गया कि 36 वर्षों से एकांतर तपस्या, 15 वर्षों तक लगातार अखंड आर्यबिल एवं एकासना तथा प्रधान वर्धमान तप की पूर्ण आराधना की गई। इसके साथ ही उन्होंने 32 आगमों का वाचन एवं स्वाध्याय मात्र 61 दिनों में पूर्ण किया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने चलाया स्वच्छता एवं सेवा अभियान



हैदराबाद, 2 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 2 अक्टूबर को नामपल्ली स्थित भाजपा कार्यालय के पास गौशाला में एक सार्थक स्वच्छता एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष श्री जगमोहन सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में अपना योगदान दिया। सेवा, स्वच्छता और सामाजिक दायित्व के संदेश के साथ आयोजित इस अभियान में गौ माता की सेवा को समाज सेवा से जोड़ते हुए कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से स्वच्छता कार्य किया।

इस अवसर पर हरप्रीत सिंह गुलाटी एवं मुकेश जैन ने बताया कि तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की टीम के समर्पण, सामूहिक परिश्रम और निरंतर प्रयासों को उनके आदरणीय प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह के सक्षम मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में राष्ट्रीय भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के ट्रिटर (एक्स) खाते पर सराहा और मान्यता दी गई है।

उन्होंने कहा कि यह मान्यता केवल टीम के प्रयासों की सराहना नहीं है, बल्कि पूरी टीम के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण भी है। यह उन्हें और अधिक समर्पण, अनुशासन और उत्साह के साथ संगठन को मजबूत करने तथा तेलंगाना के हर कोने तक

संगठन की गतिविधियों को पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध करती है। हरप्रीत सिंह गुलाटी एवं मुकेश जैन ने कहा कि सरदार जगमोहन सिंह के निरंतर मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और नेतृत्व के लिए वे हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। इस प्रकार की सराहना उन्हें अपने स्तर को और ऊंचा उठाने, अधिक मेहनत करने तथा संगठन की वृद्धि और सफलता में योगदान देते रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि मान्यता प्रोत्साहन लाती है और प्रोत्साहन बड़ी जिम्मेदारी की प्रेरणा देता है। तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की टीम नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ अपनी यात्रा जारी रखेगी।

सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने टीएससीएस के ब्लड बैंक और डोनेशन कैंप स्टाफ को सम्मानित किया

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय स्वेच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी (टीएस-सीएस), हैदराबाद ने 4,000 स्वेच्छिक रक्तदान शिविर पूरे करने के महत्वपूर्ण मील का पत्थर का जश्न मनाया। इससे स्वेच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और थैलेसीमिया व सिकल सेल विकारों से पीड़ित मरीजों के समर्थन के प्रति संगठन की निरंतर प्रतिबद्धता को मान्यता मिली।

इस अवसर पर टीएससीएस ने शिवरमपल्ली स्थित अपने परिसर में विशेष सम्मान समारोह आयोजित कर अपने समर्पित ब्लड बैंक और रक्तदान शिविर स्टाफ को उनके ईमानदार सेवा और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने में अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने टीएससीएस बोर्ड सदस्यों की उपस्थिति में स्टाफ को सम्मानित किया। समारोह में टीएससीएस अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अनुसंधान अधिकारी एवं सचिव डॉ. सुमन जैन, संयुक्त सचिव अलीम बैग तथा उपाध्यक्ष श्रीमती रत्नावली भी मौजूद रहे। श्रीमती रत्नावली ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

टीएससीएस के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे नियमित रक्त आधान की जरूरत वाले मरीजों के लिए समर्थन प्रणाली मजबूत हुई है।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. के. लक्ष्मण ने



स्वेच्छिक रक्तदान और थैलेसीमिया व सिकल सेल मरीजों के समर्थन के प्रति टीएससीएस और उसके स्टाफ की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को नियमित रक्तदान के लिए आगे आने पर जोर दिया और कहा कि स्वेच्छिक रक्तदान बहुमूल्य जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

टीएससीएस अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों, स्टाफ और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनकी निरंतर भागीदारी से संगठन इस मील का पत्थर तक पहुंचा। सम्मान समारोह में पीछे से काम करने वाले ब्लड बैंक कर्मियों, शिविर स्टाफ और स्वयंसेवकों को भी मान्यता दी गई, जो रक्तदान गतिविधियों का समन्वय करते हैं और मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने में योगदान देते हैं।

टीएससीएस ने स्वेच्छिक रक्तदान पहलों का विस्तार करने और नियमित रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ थैलेसीमिया व सिकल सेल मरीजों के समर्थन में अपने प्रयासों को जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

